



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 468] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 19, 1992/कार्तिक 28, 1914
No. 468] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 19, 1992/KARTIKA 28, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जन भूतल परिवहन मंत्रालय

(गन्त पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1992

सा. का. नि 883(अ) —केन्द्र सरकार महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का
38) की धारा 3 की उपधारा (6) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, एन.ए. श्री विनोद एम. भटनागर को अन्य हितों का

प्रतिनिधित्व करने के लिए मृत्युवा पत्तन व्यास पर व्यासी के रूप में नियुक्त करती है तथा भारत सरकार जब मृत्यु पत्रिष्ठित मृत्युवा पत्तन पत्र का दिनांक 31-3-1992 की अधिसूचना संख्या गा. का. नि. 389 (अ) में निम्नलिखित संशोधन करता है अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 17 के बाद तथा संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या तथा प्रविष्टि प्रास्तम्भांक को जाएँ अर्थात्—

क्र. 18 श्री विनोद एस. भटनागर—अन्य हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए।”

[फा. सं. पी. टी -18011/8/91-पी टी]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th November, 1992

G.S.R. 883(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (6) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri Vinod S. Bhatnagar as a Trustee on the port of Mormugao to represent 'Other Interests' and makes the following amendment in the notification of Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing) No. GSR 389(E) dated 31-3-1992, namely :—

In the said notification after serial No. 17 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be inserted namely:—

“18. Shri Vinod S. Bhatnagar—Representing 'Other Interests'.

[F. No. PT-18011/8/91-PT]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.